हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 सीवरेज के काम ने बढ़ाई स्वामी नगर की मुसीबत...

12 आखिर जनता के टैक्स का पैसा शहर में खर्च क्यों नहीं हो रहा

खबर संक्षेप

चेक बाउंस मामले में भगोड़ा गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने करीब एक लाख 92 हजार रुपए के चेक बाउंस मामले में लंबे समय से फरार चल रहे भगोड़ा आरोपी को फतेहाबाद क्षेत्र से काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को आरोपी के संबंध में पुख्ता सूचना मिली।

रोडवेज चालकर पर केस बाइक को मारी थी टक्कर

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे स्थित गांव धांगड़ के पास शनिवार को बाइक सवारों को टक्कर मारने वाले रोडवेज बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सदर थाना पुलिस ने मृतका के पति बलवान सिंह की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि, किरमारा धाम से दर्शन कर लौट रहे गांव भोडियाखेड़ा निवासी परिवार की बाइक को धागड़ पुल के पास पीछे से आ रहे हरियाणा रोडवेज बस ड्राइवर ने टक्कर मार दी थी।

शराब तस्करी में तीसरे आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस को एक ओर सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब से भरे कंटेनर की बरामदगी के मामले में गहन तफ्तीश करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पिस्तौल के बल पर लूटी बाइक

डबवाली। शहर के मलोट रोड पर एक कॉटन फैक्ट्री सुपरवाइजर से पिस्तौल दिखाकर बाइक लूट ली गई। आरोपी घटना को अंजाम देकर पंजाब सीमा पार कर फरार हो गया। बताया जाता है कि श्री मुक्तसर साहिब के गांव सिंधेवाला स्थित श्री साई एग्रो कॉटन फैक्ट्री में सुपरवाइजर भवानी सिंह अपनी मोटरसाइकिल पर डबवाली आ रहे थे। अबोहर कैंचियों के पास एक युवक ने उन्हें रुकने का इशारा किया। पुलिस चैकिंग समझकर भवानी सिंह ने बाइक रोकी।

खेत में बनी ढाणी से लाखों की चोरी

डबवाली। गांव अहमदपुर दारेवाला में खेत में बनी एक ढाणी को निशाना बनाकर अज्ञात चोर लाखों रुपए के गहने, नकदी और एफडी के दस्तावेज चोरी कर ले गए। घटना का पता शनिवार सुबह उस समय चला, जब परिवार के लोग कमरे में पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। कई संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है।

पहाड़ों पर बारिश का असर : चांदपुरा साइफन में 24 घंटे में 4 गुणा से ज्यादा बढ़ा पानी का डिस्चार्ज

घग्घर का बढ़ता वेग: फतेहाबाद में फिर बाढ़ का डर

2023 की बाढ़ की यादें ताजा, नदी किनारे बसे लोगों में बढ़ी बेचैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हिमाचल की शिवालिक की पहाड़ियों में हो रही लगातार बारिश के कारण फतेहाबाद के जाखल क्षेत्र से गुजरने वाली घग्घर नदी का जलस्तर लगातार बढ़ना शुरू हो गया है। सिंचाई विभाग की रविवार शाम को घग्घर नदी के गुहलाचीका में 24394 , खनौरी में 5238 व चांदपुरा में 2150 क्यूसिक पानी का बहाव दर्ज किया गया। लगातार बढ़ रहे पानी के जल स्तर से प्रशासन सतर्क हो गया है। बता दें कि शनिवार शाम की रिपोर्ट के अनुसार गुहला चीका हेड पर 7206 क्यूसेक पानी का बहाव दर्ज किया गया था। वहीं खनौरी में 18634 व चांदपुरा साइफन हेड पर जलस्तर 500 क्यूसेक दर्ज किया गया था।

जाखल क्षेत्र में नदी के बढ़ते पानी को लेकर प्रशासन हुआ अलर्ट

घग्घर में लगातार जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे लोगों में चिंता बढ़ने लगी है। मिली जानकारी के अनुसार, घग्गर नदी की कुल जल क्षमता 22,000 क्यूसेक है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में आगामी दिनों में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसको देखते हुए स्थानीय किसान और स्थानीय निवासी चिंतित हैं। जुलाई 2023 में आई बाढ़ से हुए नुकसान की यादें अभी भी क्षेत्रवासियों के जेहन में ताजा हैं।

यू बढ़ा जल स्तर

11 जुलाई को शाम 4 बजे की रिपोर्ट के अनुसार गुहलाचीका में 18434 क्यूसिक पानी का बहाव दर्ज किया गया था जबकि खनौरी में यह 550 व चांदपुरा में 500 क्यूसिक पानी का बहाव था। रविवार सुबह 6 बजे की रिपोर्ट के अनुसार गुहलाचीका में यह बढक़र 27582 क्यूसिक हो गया खनौरी में 3450 व चांदपुरा में 500 क्यूसिक पानी बहाव रहा। रविवार शाम 4 बजे की रिपोर्ट के अनुसार गुहलाचीका में 24394 क्यूसिक पानी का बहाव दर्ज किया गया जबकि खनौरी में यह 5238 व चांदपुरा में 2150 क्यूसिक पानी का बहाव दर्ज किया गया है। जिले के चांदपुरा में पिछले 24 घंटे में 4 गुणा से ज्यादा पानी आया है।

फतेहाबाद। घग्घर नदी में बढ़ रहा पानी। फोटो: हरिभूमि

बाढ़ से निपटने के लिए तैयारियां पूरी

सिंचाई विभाग ने घग्घर में घग्घर में अतिरिक्त पानी आने की स्थिति में इसे रंगोई नाला में डायवर्ट करने की योजना बनाई जा रही है। इस समय रंगोई नाला की क्षमता 6,000 क्यूसेक है। बता दें कि तीन साल पहले रंगोई नाला टूट गया था, जिससे पानी फतेहाबाद के गांवों की ओर आ गया। दरअसल फतेहाबाद के जाखल खंड के शक्करपुरा गांव के पास हुई, जहां नाले में 100 फुट की दरार आ गई। नाले की क्षमता 8500 क्यूसेक है, लेकिन 48 घंटों में इसमें 13000 क्यूसेक से अधिक पानी आ गया था। जिसके कारण नाले में यह दरार आई थी। इससे फतेहाबाद और रतिया क्षेत्र के गांवों में पानी भर गया था। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ हो इससे पहले भी कई बार इसके टूटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे आसपास के गांवों में बाढ़ आ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन संभावित बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तरह सक्रिय है और सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने और आपातकालीन स्थिति में प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

फतेहाबाद। बरसात न होने से दरकते धान के खेत। फोटो: हरिभूमि

मानसून ने दिखाई बेरुखी खेत प्यासे, किसान बेबस

- 10 दिन बाद भी नहीं बरसा मानसून, तपती धरती, थमी धान की रोपाई, अब आसमान पर टिकी किसानों की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा में 2 जुलाई को मानसून ने दस्तक दे दी थी, लेकिन 12 जुलाई तक भी फतेहाबाद जिले को मानसूनी बारिश का इंतजार है। मानसून की एंट्री के दस दिन बाद भी जिले में अच्छी वर्षा नहीं होने से खेत झुलसने लगे हैं, जमीन में दरारें पडऩे लगी हैं और खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो रही है। धान की रोपाई लगभग ठप पड़ी है, जबकि बाजरे की बुवाई का रकबा भी घटा है। दूसरी ओर लगातार बढ़ रही उमस ने आमजन का भी जीना मुश्किल कर दिया है। रविवार को फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे दिनभर चिपचिपी गर्मी बनी रही। सबसे अधिक चिंता किसानों को सता रही है।

खेतों में नुकसान

कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजपाल के अनुसार इस बार जिले में वर्षा का वितरण बेहद असमान रहा है। बाढ़ क्षेत्र में सबसे कम बारिश दर्ज की गई है, जबकि भट्टू, फतेहाबाद और रतिया के कई हिस्सों में भी सामान्य से काफी कम वर्षा हुई है। पर्याप्त नमी नहीं मिलने से धान की रोपाई आगे नहीं बढ़ पा रही है और खरीफ सीजन की शुरुआत कमजोर दिखाई दे रही है। किसान धर्मपाल का कहना है कि बारिश नहीं होने से बाजरे की बुवाई का रकबा भी प्रभावित हुआ है।

फिलहाल नहीं दी राहत की बड़ी उम्मीद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार मानसून ट्रफ की उत्तरी सीमा श्रीगंगानगर, हिसार, गोरखपुर, पूर्णिया और मिजोरम तक बनी हुई है तथा यह हिमालय की तलहटी की ओर खिसक रही है। इसके प्रभाव से 11 जुलाई के बाद हरियाणा में मानसूनी गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

भूना। तालाब से जलकुंभी खरपतवार निकालने की शुरुआत करते हुए ठेकेदार के कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

भूना शहर के बीचों-बीच वार्ड-10 के तालाब से हटेगी जलकुंभी, बरसात में जलभराव से मिलेगी राहत

- साढ़े पांच लाख की लागत से शुरू हुआ सफाई अभियान, तालाब की बढ़ेगी जल संग्रहण क्षमता

भूना। शहर के वार्ड नंबर 10 स्थित रिहायशी क्षेत्र के बीच बने तालाब की वर्षों से जमी जलकुंभी और खरपतवार को हटाने का अभियान रविवार से शुरू हो गया। नगर पालिका ने करीब साढ़े पांच लाख रुपये की लागत से यह कार्य शुरू कराया है। अधिकारियों का कहना है कि सफाई पूरी होने के बाद तालाब की जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी और बरसात के दिनों में आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। नगर पालिका सचिव दीपक कुमार ने बताया कि उपायुक्त डॉ. विवेक भारती और नगर आयुक्त प्रवीण कुमार के निर्देश पर तालाब की व्यापक सफाई करवाई जा रही है। लंबे समय से तालाब में फैली जलकुंभी और खरपतवार के कारण पानी का प्रवाह प्रभावित हो रहा था। इससे तालाब की उपयोगिता भी लगातार घट रही थी। अब मशीनों और कर्मचारियों की मदद से पूरे तालाब की चरणबद्ध तरीके से सफाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि तालाब की सफाई होने से वर्षा जल का अधिक मात्रा में संचयन संभव होगा। इससे न केवल शहर के जल निकासी तंत्र को मजबूती मिलेगी, बल्कि आसपास की कॉलोनियों में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका का कहना है कि मानसून को देखते हुए शहर में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। तालाब की सफाई भी इसी अभियान का हिस्सा है, ताकि बारिश के दौरान लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े और शहर की जल निकासी व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सके।

बीडीपीओ कार्यालय में खाली कमरों में चल रहे एसी, पंखे और लाइटें

- सरकार कर रही जागरूक, अधिकारी बेपरवाह

रण सिंह माचरा ⏭भट्टू कलां

भीषण गर्मी के इस मौसम में जहां हरियाणा सरकार बिजली संकट से निपटने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चला रही है और आमजन से अपील कर रही है कि अनावश्यक बिजली उपयोग न करें ताकि सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध व सुचारू आपूर्ति मिल सके, वहीं दूसरी ओर भट्टू कलां स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में इन्हीं सरकारी निर्देशों की खुलेआम अनदेखी होती देखी गई। जब कार्यालय के कई कमरों में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, इसके बावजूद एसी, पंखे, कूलर और लाइटें बदस्तूर चलती रहीं। इस लापरवाही ने न केवल सरकारी प्रयासों पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर भी बहस छेड़ दी है। हरिभूमि संवाददाता ने जब खंड कार्यालय का जायजा लिया गया तो स्थिति चौंकाने वाली नजर आई। कनिष्ठ अभियंता कक्ष में कोई मौजूद नहीं था, फिर भी एसी पूरी क्षमता से चल रहा था। इसी तरह फैमिली आईडी रूम में भी कुर्सियां खाली थीं, लेकिन पंखे और लाइटें लगातार चालू थीं, मानो कार्यालय में कामकाज जोरों पर चल रहा हो। महिला समूह कक्ष और पंचायत समिति अध्यक्ष कक्ष में भी यही तस्वीर देखने को मिली।

भट्टू कलां। सरकारी दफ्तरों में जलती लाइटें व चलते एसी। फोटो: हरिभूमि

दो शराब ठेकों पर डबल लूट का पर्दाफाश

- हत्या का इनामी बदमाश समेत तीन दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने जिले में लगातार दो शराब ठेकों पर हुई लूट की सनसनीखेज वारदातों का पर्दाफाश करते हुए हत्या के मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश समेत तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, अवैध 32 बोर पिस्टल, 315 बोर का देशी कट्टा और गंडासी बरामद की गई है। पुलिस का दावा है कि आरोपी पंजाब सीमा से सटे इलाके में एक और बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले ही दबोच लिए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिकंदर, विजय, जश्न सिंह उर्फ राठा के रूप में हुई है।

फतेहाबाद। शराब ठेके पर लूटपाट मामले में जानकारी देते एएसपी दिव्यांशी सिंगला।

5 हजार का इनामी है सिकंदर

एएसपी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी सिकंदर पिछले साल जाखल में दर्ज हत्या के एक मामले में मुख्य आरोपी था और लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके 8 साथी पहले ही पकड़े जा चुके थे और उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपये का इनाम था। एएसपी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, पिस्टल, देशी कट्टा और गंडासी बरामद कर ली है। आरोपी सिकंदर और विजय को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

मामला दर्ज

पकड़े गए आरोपी शातिर और आदतन अपराधी हैं, जिन पर पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं। सिकंदर पर वर्ष 2019 में पंजाब के भिखी और मानसा सदर थानों में दो अलग-अलग नशा तस्करी के मामले दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2025 में थाना सदर टोहाना में आपराधिक साजिश का मामला, वर्ष 2025 में थाना जाखल में दर्ज हत्या का गंभीर मामला भी दर्ज है जिसमें यह फरार चल रहा था। इसके अलावा 10 जुलाई को जाखल थाने में आम्र्स एक्ट का नया मामला दर्ज किया गया है। दूसरे आरोपी विजय के खिलाफ वर्ष 2025 में पंजाब के बरेटा थाने में मारपीट व अन्य धाराओं के तहत मामले के अलावा 10 जुलाई को जाखल थाने में अवैध हथियार बरामदगी का मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा नेता ने सरकार के सीएम विंडो तंत्र पर उठाए गंभीर सवाल

- तीन एमिनेंट पर्सनों के खिलाफ मुख्यमंत्री को दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭रानियां

प्रदेश सरकार की सीएम विंडो व्यवस्था की निष्पक्षता पर भाजपा के ही एक पदाधिकारी ने सवाल खड़े किए हैं। भाजपा करीवाला मंडल उपाध्यक्ष गौरव मेहता ने मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत में रानियां के तीन सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन हर भगवान कालड़ा, प्रकाश वीर एडवोकेट और अविनाश कंबोज की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामलों की निष्पक्ष जांच करवाने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। गौरव मेहता ने आरोप लगाया कि उन्होंने बिजली विभाग के एक एसडीओ के खिलाफ सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन शिकायत का निपटारा उसी अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर कर दिया गया। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता का पक्ष तक नहीं सुना गया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी से जुड़ी एक अन्य शिकायत का भी उल्लेख किया। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि योजना का लाभ नहीं मिलने संबंधी शिकायत में भी बिना पक्ष सुने विभागीय रिपोर्ट के आधार पर मामला बंद कर दिया गया।मेहता ने कहा कि एमिनेंट पर्सनों की नियुक्ति का उद्देश्य शिकायतकर्ता और विभाग दोनों का पक्ष सुनकर निष्पक्ष रिपोर्ट देना था। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्वतंत्र जांच, नियमित निगरानी और समीक्षा की मांग की, ताकि सीएम विंडो व्यवस्था में जनता का विश्वास कायम रहे।

कार्रवाई | अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग बनी बड़ी चुनौती, पुलिस ने शुरू की नई व्यवस्था

हंस मार्केट-थाना रोड पर ट्रैफिक सुधार का नया प्रयोग, वन-वे व्यवस्था से जाम पर लगेगा ब्रेक

अब इसकी सफलता पर टिकी शहर की नजर

- वाहनों की आवाजाही को निर्धारित दिशा से संचालित किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल हंस मार्केट और थाना रोड पर वर्षों से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नई रणनीति लागू की है। बाजार में बढ़ते अतिक्रमण, सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग और आमने-सामने से आने वाले वाहनों के कारण रोजाना लगने वाले जाम को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने इस क्षेत्र में एक तरह से वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू कर दी है। इसके तहत वाहनों की आवाजाही को निर्धारित दिशा से संचालित किया जा रहा है, ताकि सड़क पर दबाव कम हो और यातायात सुचारु बना रहे। हंस मार्केट और थाना रोड शहर के सबसे अधिक व्यस्त बाजारों में गिने जाते हैं। दिनभर खरीदारी के लिए आने वाले लोगों, दुकानों के बाहर खड़े वाहनों और रेहड़ी-फड़ी के कारण सड़क की चौड़ाई काफी कम हो जाती है। ऐसे में दोपहिया, कार, ऑटो और ई-रिक्शा के एक साथ पहुंचने पर कई बार लंबा जाम लग जाता है।

फतेहाबाद। थाना रोड पर ट्रेफिक पुलिस द्वारा की गई वन-वे व्यवस्था।

सुगम होगा यातायात

ट्रैफिक पुलिस प्रभारी जयसिंह शर्मा ने बताया कि अभी यह व्यवस्था थाना रोड व हंस मार्केट में की गई है। इसके बाद धर्मशाला रोड और कबीर बस्ती तक भी यह कोन लगाए जाएंगे। रविवार को ट्रैफिक कम रहता है। कल सोमवार को स्कूल खुलने पर स्कूल बसों व अन्य बड़े वाहनों के आवागमन को भी देखा जाएगा। अगर कोनों की दूरी बढ़ाने या घटाने की जरूरत पड़ी तो वह भी की जाएगी।

सड़कों पर अनुशासन की जरूरत

कई बार एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाई है और वाहनों की आवाजाही को एक दिशा में संचालित करना शुरू किया है। अधिकारियों का मानना है कि यदि लोग नियमों का पालन करेंगे तो बाजार में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। हालांकि शहरवासियों का कहना है कि केवल वन-वे व्यवस्था लागू कर देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। जब तक सडकों पर किए गए अतिक्रमण नहीं हटाए जाते और दुकानों के सामने होने वाली अवैध पार्किंग पर सख्ती नहीं होती, तब तक ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह नहीं सुधर सकती। बाजार में कई दुकानों के बाहर सामान सडक तक फैला रहता है, जबकि ग्राहक भी वाहन सडक पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे रास्ता और संकरा हो जाता है। व्यापारियों का मानना है कि यदि प्रशासन पार्किंग की उचित व्यवस्था करे और अतिक्रमण पर समान रूप से कार्रवाई करे तो वन-वे व्यवस्था अधिक प्रभावी साबित हो सकती है। उनका कहना है कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए, तभी लोगों में अनुशासन आएगा। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह वन-वे व्यवस्था कुछ दिनों की कवायद बनकर रह जाएगी या फिर लंबे समय तक प्रभावी ढंग से लागू की जाएगी।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

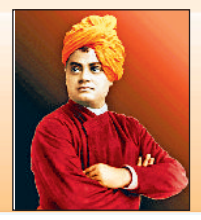

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

शहर में शामिल हुए पांच साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरसे

सीवरेज के काम ने बढ़ाई स्वामी नगर की मुसीबत, पानी निकासी बनी आफत

महिलाएं पहुंचीं डीसी कार्यालय, शिकायत के बावजूद समाधान का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में शामिल किए जाने के करीब पांच वर्ष बाद भी स्वामी नगर के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र के लोग लंब समय से परेशान हैं, वहीं अब सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य भी उनके लिए नई आफत बनकर सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों का चार वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद क्षेत्र में सीवरेज लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया, लेकिन इस कार्य के दौरान जल निकासी की अस्थायी व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई। वार्डवासियों का आरोप है कि जैसे ही सीवरेज कार्य शुरू हुआ, वार्ड पार्षद ज्ञानी राम द्वारा स्वामी नगर में सीवरेज और बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए गए अस्थायी जमीनी गड्ढे को बंद करवा दिया गया। इसके बाद स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। सबसे अधिक परेशानी स्वामी नगर और हरनाम कॉलोनी को जोड़ने वाली गली के निवासियों को झेलनी पड़ रही है। सीवरेज लाइन डालने के लिए उखाड़ी गई गलियों को अब तक दुरुस्त नहीं किया गया है, जिसके कारण घरों का गंदा पानी बाहर नहीं निकल पा रहा। हालात ऐसे हैं कि मुख्य गली में थोड़ी सी जल निकासी होते ही वह तालाब का रूप ले लेती है और लोगों का आवागमन तक प्रभावित हो जाता है। समस्या के समाधान के लिए जब क्षेत्रवासियों ने वार्ड पार्षद से गुहार लगाई तो उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। इसके बाद गुस्साई महिलाएं जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचीं और अपनी पीड़ा प्रशासन के सामने रखी। यहां भी शिकायत किए दस दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद समस्या निदान के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

फतेहाबाद। जल निकासी बंद होने से गलियों को अवरुद्ध करता गंदा पानी।

समाधान नहीं होने पर बहिष्कार करने की चेतावनी

अब स्वामी नगर के लोग अपनी आखिरी उम्मीद लेकर 13 जुलाई को हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के समक्ष पहुंचने की तैयारी में हैं। क्षेत्र की महिलाओं सितारा देवी, संतोष, अनिता, सुमित्रा सहित अन्य लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि वहां भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे अपने वार्ड में आने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नेताओं का सार्वजनिक बहिष्कार करेंगी। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जल निकासी की समस्या ने उनके दैनिक जीवन को नारकीय बना दिया है। ऐसे में अब सभी की निगाहें मंत्री कृष्ण बेदी के दरबार पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि वर्षों से उपेक्षा झेल रहे स्वामी नगर को आखिरकार राहत मिलती है या फिर कॉलोनीवासियों के हिस्से में एक बार फिर निराशा ही आती है।

सांसद बराला ने सुनीं लोगों की समस्याएं

पैतृक गांव डांगरा स्थित फार्म हाउस पर पहुंचे, जल्द समाधान के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को अपने पैतृक गांव डांगरा स्थित फार्म हाउस पर क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने सडक़, पेयजल, बिजली, सिंचाई, सामाजिक पेंशन, युवाओं के रोजगार तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे सांसद के समक्ष रखे। राज्यसभा सांसद ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आमजन के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनकी समस्याओं का समाधान कराना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को कायम रखने के लिए वे निरंतर क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

टोहाना। लोगों की शिकायतें सुनते सांसद सुभाष बराला।

प्रयास निरंतर जारी

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास, जनकल्याण और प्रत्येक नागरिक की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

मत्स्य पालकों को मिलेगी लीज राशि पर सब्सिडी

सिरसा। मत्स्य पालन विभाग द्वारा पंचायती तालाब और सरकारी जलाशयों को पट्टे पर लेने वाले पट्टेदारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। विभाग की तरफ से अनुसूचित जाति वर्ग से सम्बंधित पट्टेदारों को पहले साल की लीज राशि पर तो सहायता दी ही जाती है, इसके अलावा दूसरे से पांचवें वर्ष की लीज़ राशि पर सब्सिडी का प्रावधान किया गया है, ताकि मत्स्य पालक अपने व्यवसाय को जारी रखते हुए अपने कार्यक्षेत्र में और बेहतर आमदनी प्राप्त कर सके। जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र ने कहा कि इस योजना के तहत पट्टेदारों को लीज राशि पर सब्सिडी मिलने से उनकी कार्यक्षमता में विस्तार होगा और अतिरिक्त वित्तीय मदद मिलने से मत्स्य पालन के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

डेरा सच्चा सौदा में टोंटियां चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

डेरा सच्चा सौदा सिरसा में टोंटियां चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार डेरा सच्चा सौदा की प्लंबर समिति में कार्यरत प्रवीण कुमार ने शहर थाना में शिकायत दी थी कि डेरा परिसर में टोंटियों की मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान जांच में सामने आया कि परिसर के अलग-अलग स्थानों से जैगवार कंपनी की करीब 50 से 60 टोंटियां गायब हैं। शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान के दौरान पुलिस ने आरोपी गुरप्रीत सिंह निवासी गांव पावरी, जिला जालंधर (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह काफी समय से डेरा सच्चा सौदा में सफाई सेवा कर रहा था। इसी दौरान उसकी नीयत खराब हो गई और उसने एक-एक कर परिसर से महंगी टोंटियां चोरी करनी शुरू कर दीं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई 50 टोंटियां बरामद कर लीं। आरोपी का आपराधिक रिकार्ड खंगाल गया तो थाना सदर सिरसा में चोरी का अन्य मामला भी दर्ज होना पाया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया।

सिद्धार्थ की ईमानदारी बनी मिसाल, सांसद समेत सामाजिक संस्थाओं ने किया सम्मानित

भूना। गणेश कॉलोनी स्थित शहीद सुखदेव सिंह पार्क में खेलते समय मिला 40 हजार रुपये से अधिक कीमत का सोने का झुमका उसके असली मालिक तक पहुंचाने वाले सात वर्षीय सिद्धार्थ जाखल की ईमानदारी पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गई है। सिद्धार्थ के इस सराहनीय कार्य के लिए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने उसे सम्मानित किया। सभी ने कहा कि इतनी कम उम्र में दिखाई गई ईमानदारी समाज के लिए अनुकरणीय है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सिद्धार्थ को सम्मानित कर आशीर्वाद दिया और कहा कि आज के समय में इस तरह की ईमानदारी दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ ने जिस जिम्मेदारी और नैतिकता का परिचय दिया है, वह उसके परिवार से मिले श्रेष्ठ संस्कारों का परिणाम है। ऐसे बच्चे समाज में सकारात्मक संदेश देने का काम करते हैं और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनते हैं। वहीं, लायंस क्लब भूना रॉयल और भारत विकास परिषद शाखा भूना ने भी सिद्धार्थ को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब भूना रॉयल के प्रधान मुकेश भूटानी, सचिव डॉ. जितेंद्र तूर, चीफ कोऑर्डिनेटर पवन सिंगला, डायरेक्टर दलबीर सिंह तथा भारत विकास परिषद शाखा भूना के प्रधान कृष्ण कुमार कचोरिया, पूर्व प्रधान डॉ. दीपक बंसल, आत्म प्रकाश मेहता आदि मौजूद रहे।

अनजान एप या वेबसाइट को न दें ऑटो-डेबिट की अनुमति, संदिग्ध मैंडेट को तुरंत करें बंद : एसपी

एसपी ने जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

यदि आप भी मोबाइल ऐप्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म या वेबसाइट्स पर बिना सोचे-समझे ऑटो-पे का विकल्प चुनते हैं, तो सावधान हो जाएं। साइबर ठगों ने अब लोगों की गाढ़ी कमाई उड़ाने के लिए ऑटो-डेबिट और फर्जी सब्सक्रिप्शन को नया हथियार बना लिया है। इस बढ़ते खतरे को देखते हुए फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिला वासियों के लिए साइबर एडवाइजरी जारी की है। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहाँ ठगों ने फर्जी ऐप या लुभावनी वेबसाइट्स के जरिए लोगों को सस्ता सब्सक्रिप्शन देने का लालच दिया। यूजर्स अनजाने में ओटीपी डालकर ठगों को अपने खाते तक पहुंचने की अनुमति दे देते हैं। इसके बाद यूजर की जानकारी के बिना हर महीने या तय समय पर उनके बैंक खाते या यूपीआई से पैसे कटते रहते हैं।

मैंडेट को लगातार चेक करें

एसपी ने कहा कि अपने फोन पे, गुगल पे या नेट बैंकिंग में जाकर एक्टिव ऑटो पे मैंडेट को लगातार चेक करें। किसी भी संदिग्ध मैंडेट को तुरंत ब्लॉक करें। केवल आधिकारिक और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही ऑटो-पे सक्रिय करें। किसी अनजान लिंक या कॉल के झांसे में न आएं। अपना ओटीपी, बैंक डिटेल या यूपीआई पिन कभी किसी के साथ साझा न करें। एसपी ने कहा कि यदि किसी के खाते से बिना जानकारी के पैसे कट रहे हैं, तो तुरंत अपने बैंक को सूचित कर मैंडेट रद्द करवाएं। साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते पैसे ट्रांसफर होने से रोके जा सकें।

एआई से आवाज बदलकर कर रहे ठगी, रहे सावधान

पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

साइबर अपराधी ठगी के लिए नए-नए तरकीब निकाल रहे हैं। पहले ओटीपी और फर्जी लिंक का खेल चलता था, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से लोगों के रिश्तेदार, दोस्त और जान-पहचान वालों की आवाज तक कॉपी कर फोन किए जा रहे हैं और लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने के एडवाइजरी जारी की है। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि अगर कोई परिचित बनकर अचानक फोन करे और इमरजेंसी का हवाला देकर पैसे मांगे तो बिना पुष्टि किए एक भी रुपया न भेजें। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर डाली गई ऑडियो और वीडियो क्लिप का इस्तेमाल कर एआई तकनीक से किसी भी व्यक्ति की हूबहू आवाज तैयार कर लेते हैं। कई बार आवाज इतनी असली लगती है कि लोग बिना दोबारा जांच किए ही ठगी का शिकार हो जाते हैं।

एसपी दीपक सहारण

पंजाब के दो तस्कर कार सहित काबू

फतेहाबाद। जिला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग थानों के क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। पुलिस टीमों ने कुल 77.09 ग्राम हेरोइन बरामद करते हुए तीन शातिर नशा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़े गए आरोपियों में पंजाब के संगरूर जिले के दो अंतरराज्यीय तस्कर भी शामिल हैं, जो कार में नशीला पदार्थ सप्लाई करने आए थे। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। पहली सफलता थाना शहर टोहाना पुलिस को मिली। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त और अपराध रोकथाम के सिलसिले में चंडीगढ़ रोड से मनियाना रोड पर स्थित वर्धमान राइस मिल के पास मौजूद थी।

मनप्रीत का वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशिया कप के लिए चयन

रतिया। जिल के गांव फुलां की होनहार बेटी मनप्रीत ने साइकिलिंग ट्रायल्स में अपने शानदार प्रदर्शन से गांव का नाम रोशन किया है। मनप्रीत ने पॉइंट रेस में पहला स्थान और 3 किलोमीटर इंडिविजुअल परस्यूट में दूसरा स्थान हासिल किया है। मनप्रीत के ममेरे भाई सौरभ ने बताया कि इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर मनप्रीत का चयन आगामी जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशिया कप के लिए हो गया है। मनप्रीत की इस स्वर्णिम सफलता से न सिर्फ उनके परिवार में, बल्कि पूरे फुलां गांव और आसपास के क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामीणों का कहना है कि यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

पेपर लीक के विरुद्ध राधेश्याम करेंगे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम सोनी ने देशभर में बढ़ती पेपर लीक की घटनाओं के विरोध में जनजागरण अभियान की घोषणा की है। उन्होंने पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक द्वारा पेपर लीक के विरुद्ध की जा रही भूख हड़ताल को अपना समर्थन देते हुए कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा करने का संकल्प लिया है। राधेश्याम सोनी ने बताया कि यह पदयात्रा एक ही बार में नहीं, बल्कि 7 चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक चरण लगभग 500 किलोमीटर का होगा। प्रत्येक चरण के पूरा होने के बाद समीक्षा, जनसंवाद, स्थानीय संगठनों से बैठक और अगले चरण की तैयारी की जाएगी। इस प्रकार पूरी यात्रा के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, परीक्षा प्रणाली में सुधार तथा पेपर लीक के विरुद्ध व्यापक जनजागरण किया जाएगा। राधेश्याम सोनी ने कहा कि आज पेपर लीक देश के लाखों विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है।

राधेश्याम सोनी

शव मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आया कल्पना चावला पार्क में सफाई अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना के कल्पना चावला पार्क में अज्ञात शव मिलने की घटना के बाद नगर प्रशासन हरकत में आया और पार्क में सफाई अभियान शुरू किया गया। सफाई कर्मचारियों ने झाड़ियों की कटाई, घास की सफाई और पूरे परिसर की सफाई का कार्य किया। समाजसेवी नवजोत सिंह ढिल्लों ने कहा कि यदि पार्क की नियमित साफ-सफाई, रखरखाव और निगरानी पहले से होती रहती, तो शायद ऐसी गंभीर घटना के बाद प्रशासन को सक्रिय होने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उनका कहना है कि अक्सर देखने में आता है कि किसी बड़ी घटना के बाद ही संबंधित विभाग हरकत में आते हैं, जबकि सार्वजनिक स्थानों की नियमित देखभाल उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से बने कल्पना चावला पार्क की सुंदरता और गरिमा बनाए रखने के लिए नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

फतेहाबाद। टोहाना के कल्पना चावला पार्क में सफाई करते हुए।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| रतिया

गांव हुकमावाली स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के चेयरमैन बलदेव सिंह ग्रोहा एवं पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने बतौर मुख्यअतिथि भाग लिया और पौधारोपण किया। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि गुरतेज वडिंग, राजकुमार हुक्मावाली, जिला सचिव भाजपा निर्मल सिंह धालीवाल, मंडल महामंत्री विजय अरोड़ा, नागपुर मंडल मीडिया इंचार्ज नरेश हुक्मावाली, सुखबीर सिंह, अजैब सिंह, सुखविंदर, प्रदीप गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

रतिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करते हुए।

लायंस क्लब अक्स की नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

- पौधरोपण कर दिया सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

लायंस क्लब अक्स की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पारिवारिक समारोह में विधिवत अपने दायित्व ग्रहण किए। क्लब के संस्थापक एवं मार्केट कमेटी डबवाली चेयरमैन के सतीश जग्गा के सानिध्य में प्रधान अरविंदर मोंगा टोनू, उपप्रधान शुभम लूना एवं सतीश गर्ग, सचिव दीपक सिंगला, संयुक्त सचिव नवदीप गर्ग, कोषाध्यक्ष धीरज गर्ग, संयुक्त कोषाध्यक्ष कुणाल गर्ग, जनसंपर्क अधिकारी अमन बंसल, अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अभय सूर्या सहित समस्त अक्स कार्यकारिणी ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण समारोह के उपरांत अक्स परिवार एवं अक्स नन्हे फरिश्ते टीम के बच्चों ने सिरसा रोड स्थित डेरा सच्चा सौदा कैंटीन परिसर एवं उसके आसपास 21 गमलों सहित पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया।

सिरसा। पौधे वितरित करते लायंस क्लब अक्स के पदाधिकारी।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत गांव-गांव पहुंची जीवन ज्योति टीम

विद्यार्थियों को दी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद को नशामुक्त बनाने के लिए जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत उपनिरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने गांव बनगांव की पंचायती लाइब्रेरी में विद्यार्थियों के लिए एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। टीम ने छात्र-छात्राओं को नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इसके बाद टीम ने गांव के 8 उपचाराधीन नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की समीक्षा की। मौके पर ही 4 नए पीड़ितों को चिन्हित कर उन्हें होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। पुलिस टीम ने गांव के सरपंच से मिलकर आगामी दिनों में नशा मुक्ति शिविर लगाने की रणनीति भी तैयार की। दूसरी ओर, टोहाना मंडल के गांव तलवाड़ा में सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में टीम ने पूर्व में आयोजित शिविर के नशा पीड़ितों के घरों का दौरा किया। टीम ने 8 पीड़ितों से मिलकर उनका फीडबैक लिया, जिनमें से कई में सकारात्मक सुधार देखने को मिला।

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को जागरूक करते नशामुक्ति टीम इंचार्ज।

युवाओं से किया सीधा संवाद

टीम ने गांव के सार्वजनिक स्थलों और स्टेडियम में खेल रहे युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान गंभीर रूप से ग्रसित दो नशा पीड़ितों को बेहतर इलाज के लिए नागरिक अस्पताल, टोहाना में दाखिल करवाया गया। जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास के नशा पीड़ितों की सूचना देकर उन्हें इलाज दिलाने में खाकी का सहयोग करें।

खबर संक्षेप

कार सवार युवक हेरोइन सहित गिरफ्तार, केस

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने गांव बड़ागुढ़ा क्षेत्र से कार सवार युवक को लाखों रुपये की 69 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव बड़ागुढ़ा की तरफ जा रही थी। इसी दौरान कार में सवार एक युवक आता दिखाई दिया, जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 69 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान हीरा सिंह के रूप में हुई।

आर्यसमाज मंदिर में हुआ मासिक सत्संग

सिरसा। आर्यसमाज मंदिर सिरसा में मासिक सत्संग व यज्ञ का आयोजन किया गया।आर्यसमाज के प्रधान अशोक वर्मा ने समाज में बढ़ रहे दुष्कर्म, नशा, जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला। आचार्या कृष्णा ने कहा कि दयानंद सरस्वती ने पाखंड रूपी बीमारी का वेदरूपी दवा से ईलाज किया और एक स्वस्थ समाज आर्यसमाज की स्थापना की। आज भी संपूर्ण जगत में अज्ञान अविधा-पाखंड को मिटाने के लिए सभी विद्वान ऋषि के फार्मूले वेद का ही प्रयोग करते हैं। ऋषि ने अपने जीवनकाल में सबसे अधिक कार्य महिलाओं के लिए किए फिर चाहे वो सतीप्रथा, बाल विवाह, स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह हो।

योग शिविर का सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

सिरसा। चौधरी देवीलाल गौशाला शिवपुरी रोड सिरसा में रविवार को नरेंद्र योगाचार्य के सान्निध्य में योगा कैंप गौशाला कमेटी की तरफ से लगाया गया जिसमें सैकड़ों गोभक्तों ने योग क्लास का लाभ उठाया। योगाचार्य द्वारा निःशुल्क देसी जड़ी बूटियों से बनी आयुर्वेदिक दवाएं भी वितरित की। कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि अशोक बंसल प्रधान पीर मंदिर, रमेश जिंदगर, डॉ. कुलभूषण वधवा, सुरेश गोयल, प्रदीप गुप्ता, सुभाष फुटेला, सोनू डूमरा, सूरजभान सिंगला, अशोक तनेजा, रवि शर्मा व गौशाला प्रेमी संघ के सभी सदस्यों का गोशाला कमेटी द्वारा हार्दिक अभिनंदन किया गया।

आयुर्वेदिक शिविर में 100 रोगियों की हुई जांच

सिरसा। इन्नरव्हील क्लब सिरसा मिडटाउन द्वारा आनंद सरोवर ब्रह्मकुमारीज आश्रम, सिरसा में निशुल्क मेगा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें 100 से अधिक रोगियों की जांच की गई। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमार बिंदु भी शामिल हुई। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी सैलजा तनेजा, अध्यक्ष आरती, सचिव अनीता बजाज, वीणा, रविंद्र कौर, मीनाक्षी जिंदल, अनुभा, सुचारू फुटेला, रुपिंद्र कौर और किरण सहित क्लब की सभी सदस्य शामिल थी। अंत में पीडीसी नीता पुरी ने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

4. 80 करोड़ बैंक में : शहर बदहाली में, फिर भी विकास फाइलों में कैद

बड़ा सवाल! आखिर जनता के टैक्स का पैसा शहर में खर्च क्यों नहीं हो रहा

कचरे के ढेर, हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। सौंदर्यकरण की बाट जोहती शहर की ऐतिहासिक चिल्ली झील। *फोटो : हरिभूमि*

मानसून की दस्तक के साथ जहां शहरों में जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज होनी चाहिए थीं, वहीं फतेहाबाद में हालात इसके बिल्कुल उलट नजर आ रहे हैं। शहर का विकास मानो ठहर गया है। सडक़ों पर कचरे के ढेर, बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था, पेयजल संकट और अधूरे विकास कार्य नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर परिषद के बैंक खातों में करीब 80 करोड़ रुपये जमा हैं, तो फिर शहर की मूलभूत समस्याओं का समाधान आखिर क्यों नहीं हो पा रहा। इसी परेशानी को लेकर जागो संस्था ने डीसी डा. विवेक भारती से हस्तक्षेप की मांग की है। संस्था के पदाधिकारियों की मांग है कि डीसी पूरे मामले को गंभीरता से लेकर नगर परिषद के अधिकारियों को शहर के विकास का रोडमेप तैयार करवाए, ताकि शहर में विकास कार्य हो सके। जागो संस्था के प्रधान देवेंद्र दहिया व महासचिव ब्राइट गोदारा ने बताया कि यह राशि शहरवासियों द्वारा हाउस टैक्स और अन्य करों के रूप में जमा कराई गई है, लेकिन इन पैसों का लाभ आम नागरिकों को मिलता दिखाई नहीं दे रहा। शहर के कई वार्डों में नियमित सफाई नहीं होने से कचरे के ढेर लगे हुए हैं। बारिश से पहले नालों और सीवरों की सफाई अधूरी है, जिससे पहली तेज बारिश में जलभराव की आशंका बढ़ गई है। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद विकास कार्यों से ज्यादा आंतरिक राजनीति और ठेकेदारी विवादों में उलझी हुई है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि सफाई कर्मचारी आगामी 6 अगस्त से हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी है। यदि हड़ताल होती है तो शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। पहले से कचरे की समस्या झेल रहे लोगों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

ये बोले संस्था के सदस्य

अलग खबर

संस्था के सदस्यों का कहना है कि पिछले करीब 14 वर्षों में फतेहाबाद को कोई बड़ा विकास प्रोजेक्ट नहीं मिला। शहर का विस्तार तो हुआ, लेकिन उसी अनुपात में सडक़ें, पार्किंग, ड्रेनेज, सार्वजनिक सुविधाएं और ट्रैफिक प्रबंधन विकसित नहीं हो सके। मुख्य बाजारों और चौराहों पर रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। स्वच्छ पेयजल की समस्या भी लगातार गंभीर होती जा रही है। कई इलाकों में लोग दूषित या कम दबाव वाले पानी की शिकायत कर रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये होने के बावजूद पेयजल व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। मानसून के दौरान जलजनित बीमारियों का खतरा बढऩे से लोगों की चिंता और गहरा गई है।अब समय केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का है। जनता का पैसा जनता की सुविधाओं पर खर्च होना चाहिए। यदि नगर परिषद के पास संसाधनों की कमी नहीं है, तो फिर विकास कार्यों में देरी, सफाई व्यवस्था की बदहाली और कर्मचारियों के वेतन जैसे मुद्दे क्यों बने हुए हैं। मानसून डरा रहा है और शहर अभी भी तैयार नहीं दिख रहा।

क्रिकेट में वेस्टर्न कैरियर्स और चौहान सुपर स्ट्राइकर्स जीते

रतिया। विजेता टीम के खिलाडिय़ों को सम्मानित करते हुए आयोजक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

- सुपर स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में 116 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया

राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में चल रही फ्रेंड्स टी-10 प्रीमियर लीग में रविवार को मुकाबलों का रोमांच चरम पर रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ शक्ति नाटक क्लब के प्रधान राजेश सेतिया व उनकी टीम द्वारा किया गया। लीग आयोजक एडवोकेट पंकज गर्ग, अतुल गोयल और दीपक गर्ग ने बताया कि सुबह खेलें गए मैच में वेस्टर्न कैरियर्स वॉरियर्स बनाम जीवा एंड युवी टाइगर्स के बीच खेला गया जिसमें जीवा एंड युवी टाइगर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

हालांकि, वेस्टर्न कैरियर्स वॉरियर्स की घातक गेंदबाजी के आगे पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई और 10 ओवर पूरे खेले बिना ही महज 69 रनों पर ऑलआउट हो गई। जवाब में 70 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टर्न कैरियर्स वॉरियर्स ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। अगले मैच में बंसल रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पहले बैटिंग करते हुए चौहान सुपर स्ट्राइकर्स के बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर रन बरसाए और निर्धारित 10 ओवरों में 116 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंसल रॉयल्स की टीम दबाव में बिखर गई और चौहान सुपर स्ट्राइकर्स ने यह मुकाबला 40 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर अमन अरोड़ा, रमन बलाना,कमल अरोड़ा, रिकी मोंगा, रमन ग्रोवर, सौरभ गोल्डी सहित अन्य क्रिकेट खिलाड़ी व दर्शक मौजूद थे।

भाजपा सरकार ने वादों की राजनीति को जुमलों में बदल दिया: सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- जनता अब वादों और वास्तविकता के बीच का अंतर साफ देख रही है

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश की जनता ने पिछले कई वर्षों में बड़े-बड़े वादे सुने, लेकिन अधिकांश वादे पूरे होने के बजाय राजनीतिक जुमले साबित हुए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार जनता के सामने जवाबदेही तय करे और हर उस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करे, जिसमें लोगों की आस्था, मेहनत की कमाई और देश के भविष्य का सवाल जुड़ा हुआ है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा ने वर्षों तक जनता से अनेक बड़े वादे किए।

किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया, प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रुपये आने की बात कही गई, वर्ष 2022 तक सभी को पक्का घर देने का लक्ष्य घोषित किया गया, लेकिन करोड़ों लोगों को आज भी इन वादों के पूरा होने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि जनता अब वादों और वास्तविकता के बीच का अंतर साफ देख रही है। सांसद ने कहा कि नोटबंदी को भ्रष्टाचार, काले धन और नकली नोटों के खिलाफ ऐतिहासिक कदम बताया गया था, लेकिन उसके बाद भी देश की अर्थव्यवस्था, छोटे व्यापारियों, मजदूरों और आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कांग्रेस का मानना है कि नोटबंदी के घोषित उद्देश्यों की निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए ताकि देश जान सके कि उससे वास्तव में क्या हासिल हुआ। सैलजा ने मांग की कि राम मंदिर से जुड़े वित्तीय मामलों में लगाए जा रहे आरोपों की जांच सर्वोच्च न्यायालय के किसी वर्तमान अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए।

रतिया में कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह का पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा पर तीखा हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

- टोहाना-रतिया रोड के श्रेय को लेकर सियासी जंग तेज

रतिया की राजनीति में टोहाना-रतिया सडक़ अब विकास से ज्यादा श्रेय की लड़ाई का मुद्दा बन गई है। कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने बिना नाम लिए हाल ही में भाजपा में लौटे पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि सडक़ के निर्माण को मंजूरी दिलाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने लगातार पैरवी की, लेकिन अब जब निर्माण कार्य शुरू हुआ तो कुछ नेता जेसीबी के पास खड़े होकर फोटो खिंचवाकर इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। विधायक के इस बयान के बाद रतिया की सियासत में आरोप-प्रत्यारोप का नया दौर शुरू हो गया है।एक क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि विकास केवल सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालने या श्रेय लेने से नहीं होता, बल्कि उसके लिए सरकार के सामने मजबूती से बात रखनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि टोहाना-रतिया सडक़ लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांग थी और इसके निर्माण को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से कई बार मुलाकात की। इसके बाद ही परियोजना को मंजूरी मिली और निर्माण कार्य शुरू हो सका। उन्होंने पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग आज सडक़ निर्माण स्थल पर पहुंचकर जेसीबी के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं, लेकिन जब उन्हें पांच वर्ष तक जनता ने विधायक बनाकर भेजा था, तब इस सडक़ की बदहाली क्यों दिखाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि आज स्टेडियम और अन्य विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन सत्ता में रहते हुए इन योजनाओं को धरातल पर क्यों नहीं उतारा गया। जरनैल सिंह और लक्ष्मण नापा के बीच राजनीतिक मुकाबला नया नहीं है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में दोनों आमने-सामने थे। उस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण नापा ने कांग्रेस प्रत्याशी जरनैल सिंह को 1,216 मतों से हराया था और रतिया सीट पर भाजपा ने पहली बार जीत दर्ज की थी। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले नापा भाजपा टिकट के प्रमुख दावेदार थे, लेकिन पार्टी ने उनकी जगह पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को उम्मीदवार बनाया। इसके बाद उन्होंने भाजपा छोडक़र कांग्रेस का दामन थाम लिया।

'सड़क के लिए मैं लड़ता रहा, जेसीबी के पास फोटो कोई और खिंचवा रहा'

नापा का पलटवार : घोषणा मेरे कार्यकाल में हुई

विधायक के बयान के बाद पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने भी मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने कहा कि टोहाना-रतिया सडक़ परियोजना की घोषणा उनके विधायक कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने टोहाना के गांव बिढाईखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की थी। यह घोषणा पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली के आग्रह पर हुई थी। नापा ने दावा किया कि सडक़ परियोजना का सर्वे भी उनके कार्यकाल में पूरा हुआ था और इससे जुड़े सभी दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य का श्रेय तथ्यों के आधार पर तय होना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी से।

भाजपा शासन में सुविधाओं के लिए तरस रहे लोग : चौटाला

सिरसा। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा शासन में आज हर वर्ग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है और शासन उनके प्रति पूरी तरह से उदासीन बना हुआ है। अभय चौटाला रविवार को ऐलनाबाद हलके में अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के दूसरे दिन बकरियांवाली, निर्बाण, रूपावास, रायुपर, बरासरी, ढूकड़ा, बरुवाली-2, माधोसिंघाना, गुडियाखेड़ा, जमाल, कुताना, जोड़कियां, रामपुरा ढिल्लों, गुसांईआना, खेड़ी, राजपुरा साहनी, हंजीरा व लुदेसर आदि में ग्रामीणों से रूबरू हो रहे थे। अभय चौटाला ने कहा कि कांग्रेस के पहले दस साल के शासन और अब भाजपा शासन में सिरसा जिले से राजनीतिक रूप से सौतेला व्यवहार किया गया जिससे जिले में आमजन के लिए सुविधाओं का अभाव स्पष्ट नजर आ रहा है। ग्रामीणांचल में मवेशियों के लिए पानी पीने की व्यापक कमी है जिससे ग्रामीणों को खासी दिक्कतों से दोचार होना पड़ रहा है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा का हरियाणा में तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जाना उन्हीं की देन है क्योंकि उन्होंने कांग्रेस के सभी हित भाजपा के हाथों गिरवी रख दिए हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे हरियाणा को सही मायने में विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए इनेलो को पहले से भी कहीं अधिक मजबूत बनाएं।

महिला चिकित्सकों डबवाली रोड पर किया पौधरोपण

सिरसा। महिला चिकित्सकों के एक ग्रुप क्लीन सिरसा-ग्रीन सिरसा द्वारा डबवाली रोड पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमत सिटी सेंटर व अमारा ग्रीन भी सहयोगी बना। इस अभियान के तहत सांगवान चौक से नारंग अस्पताल तक रोड डिवाइडर पर नीम के पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर भाई कन्हैया आश्रम के संचालक पद्मश्री सरदार गुरविंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम डॉ. भंवर सिंह, डॉ. जीके अग्रवाल, डॉ. अंजलि नारंग, डॉ. चीनू मित्तल, डॉ. गार्गी, डॉ. युविका, डॉ. तपस्या बिश्नोई, डॉ. आकांक्षा गर्ग व सुमित बांगा ने उपस्थित थे। इस अवसर पर पद्मश्री स. गुरविंद्र सिंह ने महिला चिकित्सकों के समूह द्वारा चलाए जा रहे अभियान की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक अभियान में श्रीमत सिटी सेंटर व अमारा ग्रीन का योगदान काबिलेतारीफ है।

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते भजन गायिका। *फोटो: हरिभूमि*

भजन- सुन ले कन्हैया अर्जी ..... पर झूमे श्रद्धालु

सिरसा। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से एकादशी के उपलक्ष्य में विशाल भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि निर्जला एकादशी पर भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। इसके बाद उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और भजन- भर दे श्याम झोली भर दे, बोलो वीर हनुमाना अति बलवाना, लहर लहर लहराए रे झंडा बजरंग बली का, मेरी झोंपड़ी के भाग खुल जाएंगे राम आएंगे, हम तो बाबा के भरोसे चलते हैं, खाटू वाले श्याम मेरी रखोगे लाज, साथी हमारा कोन बनेगा तुम ना सुनोगे तो कोन सुनेगा सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। बाद में फतेहाबाद से आई भजन गायिका परविंद्र पलक ने भजन- कलियुग में बाबा तेरा जोर है, मेरा हाथ पकड़ बाबा मन मेरा घबराए, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा, लो आ गया मैं शरण तेरी, सुन ले कन्हैया अर्जी हमारी, खाटू के बाबा श्याम जी मेरी रखोगे लाज व अन्य भजन प्रस्तुत किए गए।

लुदेसर में श्रद्धा के साथ हुआ श्री शनिदेव महाराज का जागरण

चोपटा। गांव लुदेसर में समस्त ग्रामीणों की मदद से श्री शनिदेव महाराज का जागरण एवं भंडारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लुदेसर सहित आसपास के अनेक गांवों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर शनिदेव महाराज के दर्शन किए तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। जागरण में भजन गायक राजू मनवाली, पवन नहराना एवं प्रदीप दुर्जनपुरिया ने शनिदेव महाराज के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रखा। वहीं राधे आर्ट ग्रुरुप द्वारा प्रस्तुत आकर्षक एवं मनमोहक धार्मिक झांकियों ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तों में अपार उत्साह देखने को मिला। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया तथा जय शनिदेव के जयकारे गूंजते रहे।

चोपटा। राधा-कृष्ण की झांकी प्रस्तुत करते हुए।

ओढां में मनाया गया मूर्ति स्थापना दिवस

ओढां। ओढ़ां में गौशाला रोड पर शनिदेव व काली माता मंदिर के साथ शीतला माता के मंदिर में रविवार को तीसरा मूर्ति स्थापना दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। हवन यज्ञ पंडित कृष्ण लाल शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ शुरू किया जिसमें मुख्य यजमान डॉ. गमदूर सिंह और गोरा सोनी ने परिवार सहित भाग लिया और उपस्थित सभी गांववासियों ने आहुतियां डाली। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी हरदेव पप्पी वर्मा, काली माता मंदिर के पुजारी अशोक शर्मा, जुगानी तुर्किया, बंटी लखटिया, राजेश गोयल हलवाई, कुलवंत सिंह, हैप्पी, राजा सिंह, सुखराज, सर्बजीत कौर, जसपाल कौर, रोशनी देवी, कृष्णा देवी, दयालो रानी, किरण, पालो देवी, पाल, प्रेम वर्मा, बंसी मलकाना सहित अनेक गांववासी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005

14 को पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाकर शाम को सरसों के तेल या घी का दीपक जलाएं

अमावस्या पर स्नान-दान, पितृ तर्पण और हनुमान पूजा का बनेगा दुर्लभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

इस वर्ष आषाढ़ी अमावस्या 14 जुलाई को मनाई जाएगी। मंगलवार के दिन अमावस्या पडऩे के कारण इसे भौमवती अमावस्या कहा जाएगा, जिसका धार्मिक महत्व सामान्य अमावस्या की तुलना में अधिक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन पितरों के तर्पण, स्नान-दान और पूजा-पाठ से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। साथ ही हनुमान जी की आराधना भी अत्यंत फलदायी मानी गई है।

पितृ तर्पण एवं श्राद्ध दोपहर के समय करना शुभ माना गया

नियमपूर्वक तर्पण, दान से प्रसन्न होते हैं पूर्वज

श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार आषाढ़ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 13 जुलाई को शाम 6:50 बजे शुरू होगी और 14 जुलाई को दोपहर 3:14 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर अमावस्या का व्रत और धार्मिक अनुष्ठान 14 जुलाई को किए जाएंगे। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किए गए दान-पुण्य, तर्पण और श्राद्ध कर्म से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है तथा परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। मंगलवार का संयोग होने से हनुमान जी की पूजा का भी विशेष महत्व रहेगा।

हनुमान चालीसा का पाठ या ओम नमः शिवाय का जाप करें

नियमपूर्वक तर्पण, दान से प्रसन्न होते हैं पूर्वज

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि आषाढ़ अमावस्या को पितरों के निमित्त किए जाने वाले कर्मों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक किए गए तर्पण, दान और पूजा-पाठ से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। इसके साथ ही यह दिन जीवन से नकारात्मकता दूर करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर माना जाता है। चूंकि इस बार यह तिथि मंगलवार को है, इसलिए हनुमान जी की पूजा और मंगल ग्रह से जुड़े उपाय करना भी विशेष फलदायी माना गया है।

इस दिन करें ये शुभ कार्य

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार इस दिन स्नान के बाद सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करें। भगवान विष्णु, शिव और पितरों का स्मरण कर तर्पण करें। जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या अपनी श्रद्धानुसार दान दें। पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाकर शाम को सरसों के तेल या घी का दीपक जलाएं और परिक्रमा करें। हनुमान चालीसा का पाठ या ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। पितरों की शांति के लिए ब्राह्मण या जरूरतमंदों को भोजन कराएं। घर में सात्विक वातावरण रखें और सकारात्मक विचारों के साथ दिन व्यतीत करें। उन्होंने बताया कि इस दिन स्नान-दान का श्रेष्ठ समय सुबह 4:30 से 10:43 बजे तक रहेगा। सूर्योदय सुबह 5:32 बजे होगा, जबकि लाभ चौघडिया सुबह 10:43 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक, अमृत चौघडिया दोपहर 12:27 बजे से 2:10 बजे तक रहेगा। पितृ तर्पण एवं श्राद्ध दोपहर के समय करना शुभ माना गया है।